आकाशवाणी केन्द्र शिमला

19.09.2025 / संजय / 11.00 बजे

प्रादेशिक समाचार

जी.एस.टी. सुधार–ऑटो

वस्तु और सेवा कर की नई दरें सोमवार 22 सितम्बर से लागू हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस सम्बोधन में अगली पीढ़ी के जी.एस.टी. सुधारों की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य कर संरचना को आसान बनाना और आम लोगों पर वित्तीय भार कम करना है। आज हम ऑटो मोबाइल उद्योग में इन सुधारों के सम्भावित प्रभावों का उल्लेख कर रहे हैं।

*नए जीएसटी सुधारों के तहत सरकार ने 350 सीसी तक के दो पहिया वाहनों पर जीएसटी की दर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी है। जीएसटी में इस कटौती से निम्न तथा मध्यम वर्गीय परिवारों, युवा पेशेवरों और गिग वर्कर्स को राहत मिलेगी जो दैनिक जरूरतों के लिए किफायती परिवहन पर निर्भर हैं। वहीं छोटी कारों पर भी जीएसटी घटकर 18 प्रतिशत हो गई है जो पहले 28 प्रतिशत के स्लैब में हुआ करती थी। इस कदम से मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए कार्य और अधिक किफायती होने की उम्मीद है, साथ ही ऑटो सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा । जीएसटी कम करने से विनिर्माण, ब्रिकी, सेवा और वित्तीय क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। नई जीएसटी दरें सोमवार से लागू होंगी।*

जीएसटी सुधार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने अगली पीढ़ी के जी एस टी सुधारों के लक्ष्य को स्पष्ट करते हुए कहा है कि इसका उद्देश्य देश की कर और राजस्व प्रणाली को सरल और आधुनिक बनाना है। इस बीच उपभोक्ता कार्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने वस्तु और सेवा कर की नयी दरों को देखते हुए संशोधित परामर्श जारी किए हैं। परामर्श के अनुसार, विनिर्माताओं, पैकर्स और आयातक 22 सितम्बर से पहले विनिर्मित और बिना बिके पैकेज पर संशोधित मूल्य का स्टिकर लगा सकते हैं, लेकिन पैकेज पर पहले से छपा अधिकतम खुदरा मूल्य स्पष्ट दिखना चाहिए। मंत्रालय ने परामर्श में जी.एस.टी. संशोधन लागू होने से पहले की पैकेजिंग सामग्री या रैपर के, अगले वर्ष मार्च तक या पुराना स्टॉक खत्म होने तक, उपयोग की अनुमति दी है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने युवाओं से वनों के संरक्षण के आंदोलन में सक्रिय भाग लेने का आहवान किया है। उन्होंने भावी पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, समृद्ध और हरित हिमाचल सुनिश्चित करने के लिए विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वनों के संरक्षण के लिए ग्राम वन प्रबंधन समितियों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वन विभाग के साथ मिलकर ये समितियां काम करेंगी और उनके प्रयासों के लिए उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा।

मौसम

बीती रात प्रदेश के कई क्षेत्रों में हुई वर्षा के बाद आज अनेक भागों में बादल छाए हैं। इस बीच किन्नौर जिला में तरांडा पंचायत के थाच में बादल फटने की घटना में कई खेत और बागीचों को नुक्सान हुआ है। हमारी किन्नौर जिला संवाददाता ने बताया कि कुछ मकानों को भी खतरा बना हुआ है। इस बीच मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों के दौरान कुछ क्षेत्रों में वर्षा की संभावना जताई है।